Ans. (c) – आमेर दुर्ग में दीवान-ए-आम का निर्माण मिर्जा राजा जय सिंह ने कराया था। इस दुर्ग में शीश महल, सुहाग मंदिर, सुख मंदिर भी स्थित है।

264. सामूगढ़ के युद्ध में दारा की पराजय का समाचार मिलते ही किस राजपूत शासक ने औरंगजेब की अधीनता स्वीकार की?

(a) महाराणा राजसिंह (b) महाराजा जसवंतसिंह
(c) राव रतन राठौड़ (d) मिर्जा राजा जयसिंह

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-III परीक्षा तिथिः19-09-2020

Ans. (d) – सामूगढ़ का युद्ध 29 मई, 1658 ई. को मुगल बादशाह शाहजहाँ के पुत्रों दारा शिकोह तथा औरंगजेब के मध्य उत्तराधिकार को लेकर हुआ था। सामूगढ़ के युद्ध में दारा की पराजय का समाचार मिलते ही आमेर के राजा जयसिंह ने औरंगजेब की सेवा में उपस्थित होकर उसकी अधीनता स्वीकार कर ली।

265. महारानी अमर कुँवरी बूँदी नरेश महाराव बुद्धसिंह की पत्नी थी और वह बहिन थीः

(a) मिर्जा राजा जयसिंह (b) राजा मानसिंह
(c) सवाई जयसिंह (d) भारमल

सहायक सांख्यिकी अधिकारी-2018
RPSC-2018

Ans. (c) : अमर (अरनार) कुंवरी आमेर के शासक सवाई जयसिंह की बहन थी। इनका विवाह बूंदी शासक महाराव बुद्धसिंह से हुआ था। 1730 ई. में जयसिंह ने बुद्धसिंह को गद्दी से हटाकर करवड़ के जागीरदार हाडा सलीमसिंह के द्वितीय पुत्र दलेल सिंह को बूंदी की गद्दी पर बैठा दिया।

266. जयपुर के शासक जयसिंह-II को 'सवाई' की उपाधि दी थी-

(a) औरंगजेब ने (b) जहाँगीर ने
(c) मुअज्जम ने (d) आज़म ने

कनिष्ठ अभियन्ता (डिप्लोमाधारक)-10-05-2022
पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (a) : सवाई जयसिंह द्वितीय (1699-1743 ई.) 12 वर्ष की आयु में आमेर का शासक बना। इसका मूल नाम विजय सिंह था। परन्तु इनकी वाक्पटुता एवं चातुर्थ से प्रभाहित होकर औरंगजेब ने इसे सवाई की उपाधि प्रदान की थी।

267. निम्नलिखित में से किस मुगल सम्राट ने सवाई जयसिंह को 'राज राजेश्वर' की उपाधि से विभूषित किया था-

(a) औरंगजेब (b) शाहजहाँ
(c) बहादुर शाह (d) मुहम्मद शाह

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (d) – 1722 ई. में जाटों के विद्रोह को दबाने के कारण मुगल सम्राट मुहम्मद शाह ने सवाई जयसिंह को 'राज राजेश्वर' की उपाधि से विभूषित किया था।

268. हुरडा सम्मेलन (1734 A.D.) की अध्यक्षता किसने की?

(a) सवाई जय सिंह
(b) बख्त सिंह
(c) अभय सिंह
(d) महाराणा जगत सिंह द्वितीय

House Keeper 2022_09.07.2022
RPSC SI 14.09.2021
कनिष्ठ लिपिक अभियंता 18.05.2022
Investigator Exam 21.08.2016

Ans. (d) : मराठों को राजस्थान से बाहर निकालने के लिए जयपुर शासक सवाई जयसिंह के संयोजन से 1734 में हुरड़ा सम्मेलन हुआ, जिसकी अध्यक्षता जगत सिंह द्वितीय ने किया था।

269. जयपुर शहर की स्थापना कब हुई थी?

(a) 1734 ई. (b) 1868 ई.
(c) 1727 ई. (d) 1714 ई.

Varisht Computer Anudeshak -19.06.2022

Ans. (c) : राजस्थान की राजधानी जयपुर है। जयपुर शहर की स्थापना 1727 ई. में सवाई जयसिंह द्वारा कराया गया था। जयपुर का निर्माण पूर्णतः वैज्ञानिक सिद्धान्तों एवं मानकों के तहत नियोजित शहर के रूप में हुआ है। इस शहर का प्रधान योजनाकार विद्याधर भट्टाचार्य थे। सवाई जयसिंह ने दिल्ली, उज्जैन, जयपुर, मथुरा, वाराणसी की वेधशाला का निर्माण करवाय। सवाई जयसिंह ने जयबाण तोप का निर्माण करवाया जिसे एशिया की सबसे बड़ी तोप कहा जाता है। महाराजा रामसिंह-II ने जयपुर को गुलाबी शहर बनाया था।

270. 'हुरडा सम्मेलन' का आयोजन निम्न में से किस वर्ष किया गया?

(a) 1732 ईस्वी (b) 1733 ईस्वी
(c) 1734 ईस्वी (d) 1735 ईस्वी

I.A. 2018

Ans. (c) : 'हुरडा सम्मेलन' का आयोजन वर्ष 1734 ई. में किया गया। यह सम्मेलन राजपूत राजाओं द्वारा मराठा विस्तार का विरोध करने के उद्देश्य से किया गया।

271. निम्नलिखित में से कौन मराठा आक्रमण के खिलाफ हुरडा सम्मेलन से जुड़े थे?

(a) महाराणा जगत सिंह II (b) सवाई जय सिंह
(c) महाराजा जसवंत सिंह II (d) महाराजा अभय सिंह

सही उत्तर चुने-

(a) a,b,c, d (b) a, b, c
(c) a,b, d (d) b,c, d

फायरमैन सीधी भर्ती परीक्षा-2021 (Ex. Dt. 29-01-2022)

Ans. (c) – राजपूताना पर मराठों के संभावित आक्रमण को रोकने तथा मराठों की शक्ति पर अंकुश लगाने के लिए सवाई जयसिंह के प्रयासों से 17 जुलाई को हुरडा (भीलवाड़ा) नामक स्थान पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मेवाड़ शासक जगतसिंह द्वितीय ने की। इसमें महाराजा जसवंत सिंह द्वितीय ने भाग नहीं लिया था इसमें शामिल थे-

जोरावर सिंह (बीकानेर)	दुर्जनसाल (कोटा)
अभययिंह (जोधपुर)	दलेल सिंह (बूंदी)
जगत सिंह -II (मेवाड़)	गोपाल दास (करौली)
किशनगढ़ के राजसिंह	बख्त सिंह (नागौर)